

प्रेषक,

डी०ए०स०गव्याल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक : 26 नवम्बर, 2015

विषय: वाह्य सहायतित परियोजना यू०य०ए०डी०आईपी० के अन्तर्गत ट्रान्च-1 (2410-IND) हेतु राज्यांश अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सैक्टर डेवलपमेन्ट इन्वेस्टमेन्ट प्रोग्राम, देहरादून के पत्र संख्या: यू०य०ए०डी०आईपी०/ F&A/2015-16/923, दिनांक 07.09.2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वाह्य सहायतित योजना यू०य०ए०डी०आईपी० के अन्तर्गत ट्रान्च-1 के स्वीकृत कार्यों के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्यांश की धनराशि ₹ 1000.00 लाख (रूपये दस करोड़ मात्र) व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उपरोक्त ट्रान्च-1 के चालू कार्यों हेतु स्वीकृत की जा रही राज्यांश की धनराशि निर्धारित राज्यांश से अधिक होने की दशा में इसकी प्रतिपूर्ति ₹ 1000.00 लाख (रूपये दस करोड़ मात्र) के माध्यम से यथाशीघ्र करा ली जाय।
- (ii) उक्त धनराशि ₹ 1000.00 लाख (रूपये दस करोड़ मात्र) की धनराशि आपके द्वारा आहरित कर कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सैक्टर डेवलपमेन्ट इन्वेस्टमेन्ट प्रोग्राम, देहरादून को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाएगा, जो ऋण अनुबन्ध/परियोजना अनुबन्ध के क्रम में विषयान्तर्गत वर्णित कार्यक्रम के अधीन स्वीकृत हैं तथा जिनके सम्बन्ध में नियमानुसार अधिप्राप्ति कार्यवाही की गयी है।
- (iv) व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुवल, अधिप्राप्ति नियमावली तथा मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश, अन्य तदविषयक नियमों एवं समय-समय पर निर्गत तदविषयक आदेशों का अनुपालन किया जाएगा।
- (v) उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययिता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा।
- (vi) अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- (vii) मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219/2006, दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

(viii) निर्माण एजेन्सी के चयन में शासनादेश संख्या-452/XXVII(1)/2005, दिनांक 05 अप्रैल, 2005 में निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
(ix) पूर्व में निर्गत शासनादेशों में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
(x) जी0पी0डब्ल्यू० फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य संपादित करना होगा तथा निर्माण इकाई से कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15-12-2008 की व्यवस्थानुसार मानक अनुबन्ध निष्पादित करा लिया जायेगा।
(xi) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष दिनांक 31-03-2016 तक उपयोग की गई धनराशि का मदवार व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
(xii) परियोजनान्तर्गत व्यय के सापेक्ष प्रतिपूर्ति देयक समयबद्ध रूप से ए0डी0बी0/भारत सरकार को प्रेषित कर प्रतिपूर्ति यथाशीघ्र करायी जाय।
(xiii) अग्रेत्तर धनराशि अवमुक्त करने के प्रस्ताव करते समय कार्यवार L-1 दर लागत पर कार्य की अनुमोदित लागत, वित्तीय तथा भौतिक प्रगति एवं पूर्व अवमुक्त समस्त धनराशि के उपभोग प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिये जायेंगे।
(xiv) वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 में दिये गये निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2— उक्त के सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "4217-शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-97-वाहय सहायतित परियोजनाएं-01-नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण-24 वृहद निर्माण कार्य के नामे ₹ 820 लाख एवं अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "4217-शहरी विकास पर पूँजीगत परिव्यय-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-97-वाहय सहायतित परियोजनाएं-01-नगरीय अवस्थापना का सुदृढ़ीकरण-24 वृहद निर्माण कार्य के नामे ₹ 180.00 लाख डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 में दिये गये निर्देशों के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-अलॉटमेन्ट आई0डी0 सं. (1)S.15/111.5090/
(2)S.15/1300202

भवदीय,
/
(डी0एस0गर्वाल)
सचिव।

1502

संख्या : /IV(2)–श0वि0–2015 –15(एडीबी) /08, तदिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1— महालेखाकार (लेखा परीक्षा), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2— महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3— निजी सचिव, मा० नगर विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 4— निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5— आयुक्त, गढ़वाल / कुमायूं मण्डल, पौड़ी / नैनीताल।
- 6— कार्यक्रम निदेशक, उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट इन्वेस्मेंट प्रोग्राम, देहरादून।
- 7— वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 8— वित्त अनुभाग-2/निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
- 9— समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 10— निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करने का कष्ट करें।
- 11— बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ॐ
(ओमकार सिंह)
७८ संयुक्त सचिव।